शिखर 6

इकाई 1: जीवन और जगत

पाठ 1. फूल के पहरेदार

कविता का उद्देश्य

प्रस्तुत कविता द्वारा बच्चों को फूलों का महत्त्व बताया गया है। कविता के माध्यम से बच्चों में सही-गलत का ज्ञान तथा प्रकृति-प्रेम जाग्रत करना है। यह कविता बच्चों को प्रकृति से सीखने की शिक्षा भी प्रदान करती है।

कविता का सारांश

एक बाग में गुलाब के प्यारे-प्यारे पौधे लगे हुए थे। उनमें लाल-गुलाबी सुंदर-सुंदर फूल खिले हुए थे। एक दिन मोहन सवेरे उस बगिया में आया। गुलाब का फूल देखकर उसे लालच आया और उसने उसे तोड़ने के लिए हाथ बढ़ाया। जैसे ही उसने हाथ बढ़ाया उसे काँटा चुभ गया। उसकी उँगली से खून बहने लगा। तभी उसे एक आवाज़ सुनाई पड़ी कि फूल पेड़ की शोभा है, तुम उसे क्यों तोड़ रहे हो? इसे तोड़ोगे तो यह मुरझा जाएगा। मैं इसका पहरेदार हूँ, तुम इसे तोड़ ना पाओगे। मैं काँटा हूँ और फूलों के पीछे छिपकर ही मैं पहरा देता हूँ। उसके पश्चात मोहन ने यह वादा किया कि अब से मैं फूल नहीं तोड़ूँगा।

अध्यापन संकेत

कविता वाचन से पूर्व **पठन-पूर्व चर्चा** में पूछे गए प्रश्नों पर चर्चा करें। कविता का सस्वर वाचन करें। बच्चों से कविता के एक-एक अंश का वाचन करवाएँ। उन्हें कविता का मूल भाव बताने के लिए कहें।
कविता की पंक्तियों में छिपा भाव स्पष्ट करें।

किंतु "अरे" कहकर ..... बोल रहा था,– इन पंक्तियों का अर्थ है कि मोहन ने जैसे ही फूल तोड़ने के लिए हाथ बढ़ाया वैसे ही उसकी उँगली में कुछ चुभ गया। उसने 'अरे' कहकर अपना हाथ वापस ले लिया पर उस चुभन का दर्द कम नहीं हुआ। उसकी उँगली में कुछ चुभने से खून भी निकल रहा था। तभी कहीं से आवाज़ आई कि फूल पेड़ की शोभा है, तुम उसे क्यों तोड़ रहे हो?

इसको कुछ दिन ..... हँस नमस्कार,– इन पंक्तियों का अर्थ है कि फूल तो दो-चार दिन में मुरझा कर झर जाते हैं, तो इसे तोड़ो मत। इसको कुछ दिन हँस लेने दो, खिलने दो और सबको देखने दो। मैं काँटा इसका पहरेदार हूँ और इसे मैं तोड़ने नहीं दूँगा। काँटा फूलों का पहरेदार होता है, जो इसकी रक्षा करता है। इस प्रकार काँटे की बात सुनकर मोहन को फूल का महत्त्व समझ में आया और उसने आगे से फूल न तोड़ने का वादा किया।

पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें –

- पहरेदार का क्या काम होता है?
- प्रकृति की शोभा किससे होती है?
- पेड़-पौधों की देखभाल किस तरह करनी चाहिए?

डिजिटल (Digital) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।